Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper- IV
Date:- 5-9-20
Do-Next class

Behaviourism
Contribution of Watson

(2) मनोविज्ञान की विधियाँ (Methods of Psychology):— वाटसन, मनोविज्ञान की वैज्ञानिक विधि के रूप में अन्तर्निरीक्षण (Introspection) को अस्वीकृत कर दिये थे क्यूँकी मनोविज्ञान व्यवहार का वस्तुनिष्ठ विज्ञान (objective science) है, अतः इसकी विधियाँ निश्चित रूप से अनुभाविक (empirical) होगी। वाटसन द्वारा मनोविज्ञान की निम्नांकित चार विधियों की पहचान की गयी है:—

(i) प्रयोग एवं प्रेक्षण (Experiment and observation):— वाटसन का प्रयोगात्मक कार्यक्रम बड़ा ही मजबूत तथा पूर्व निर्धारित था, एक प्रयोगकर्ता के रूप में वे प्रयोगात्मक विधि (Experimental method) को महत्वपूर्ण बतलाया परन्तु प्रयोगशाला के बाहर के अध्ययनों के लिए वे उद्दीपक अनुक्रिया के संबंध में प्रेक्षणों (observation) को भी महत्वपूर्ण बतलाये। उनका मत था की वैज्ञानिक प्रेक्षण उपकरण के बिना भी संभव है

(ii) अनुबंधित प्रतिवर्त प्रविधि (Conditioned and Reflex technique):— वाटसन ने अनुबंधित प्रतिवर्त प्रविधि को भी महत्वपूर्ण बतलाया जैसे वे पैवलव तथा बेकुटेरेव (Bekterev) के शोधों के लिए थे। अनुबंधन को व्यवहार के विश्लेषण करने की एक वैज्ञानिक विधि के रूप में स्वीकार किया इस विधि के दो स्पष्ट उद्देश्य थे, पहला, अनुबंधन (conditioning) द्वारा उन प्रक्रियाओं का अध्ययन संभव है जिसके सहारे जटिल व्यवहार निर्मित होता है

तथा फिर वह छोटी छोटी इकाईयों में बँट जाती हैं। दूसरा, अनुबंधन द्वारा उन समस्याओं का भी अध्ययन संभव है जो काफी आत्मनिष्ठ (subjective) होते हैं तथा जो अन्तर्निरीक्षण (introspection) द्वारा अध्ययन किए जाने के क्षेत्र सीमा में होते हैं। (जैसे संवेदन) अनुबंधित प्रतिवर्त प्रविधि शत उद्देश्यों को शत प्रतिशत सफल करने में सफल नहीं रहा।

(iii) परीक्षण-कार्य विधि (Testing method):- वाटसन ने मनोवैज्ञानिक परीक्षण कार्य (psychological testing) को भी एक महत्वपूर्ण विधि माना है। जब कोई व्यवहारवादी किसी मनोवैज्ञानिक परीक्षण का उपयोग करते हैं, तो वे उसे किसी वस्तुनिष्ठ परिस्थिति के प्रति की गयी अनुक्रियाओं के प्रति या व्यवहारों के मापन के रूप में उसका उपयोग करते हैं। वाटसन ने यह भी स्पष्ट कर दिया की मनोवैज्ञानिक परीक्षण मानसिक परीक्षण (mental test) नहीं है क्योंकि वह किसी विशिष्ट क्षमता का मापन मन के पहलु के रूप में नहीं करता है।

(iv) शाब्दिक रिपोर्ट की विधि (method of verbal Report):- वाटसन ने मानव प्रयोज्यों (human subjects) के लिए शाब्दिक रिपोर्ट (verbal Report) को अनुसंधान की एक प्रमुख विधि के रूप में अपनाया। इस विधि में प्रयोज्य अपने हालात या निष्पादन (Performance) के बारे में एक रिपोर्ट या प्रतिवेदन (Report) देता है। व्यवहारवादियों द्वारा इसे कभी भी प्रयोज्य के 'मानसिक अवस्था' (mental condition) पर किसी प्रकार की टिप्पणी नहीं समझा जाता है। जैसे कोई व्यक्ति कहता है "मैं खुश हूँ" तो व्यवहारवादी इसे मानसिक अवस्था (mental condition) पर की गयी टिप्पणी न मानकर संपूर्ण प्रतिक्रिया तंत्र का एक विशेष पहलु मानते हैं। वाटसन 'शाब्दिक रिपोर्ट' या 'शाब्दिक प्रतिवेदन' को उद्दीपक के प्रति किया गया एक पेशीय अनुक्रिया मानते हैं। संरचनावादियों (structuralist) द्वारा वाटसन के 'शाब्दिक रिपोर्ट विधि' की यह कहकर आलोचना की गई की वे अन्तर्निरीक्षण विधि को ही नाम बदलकर अर्थात शाब्दिक रिपोर्ट कहकर अपने सम्प्रदाय में शामिल कर लिए हैं।

over- Next class

Scanned with CamScanner